

हर गरीब, जट्टतमंदों तक पहुंचे केंद्र की कल्याणकारी योजनाएँ : बाबूलाल



खबर मन्त्र व्यू

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में शिविर को विकसित भारत संकल्प यात्रा में देश भर के लाभार्थियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अॉनलाइन सवाद किया। देश के सभी राज्यों के विभिन्न स्थानों से हजारों लोग इस कार्क्रम में शामिल हुए।

मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा विकसित भारत के लिए मोदी की गारंटी की यात्रा है। वर्ष गांव गरीब, किसान मजदूर महिला, युवा सभी के साथ भारत को श्रेष्ठ भारत बनाने का सकल्प है।

उन्होंने कहा कि झारखण्ड के भी गांव, पंचायतों तक यात्रा जायेगी। आरंती कुजूर, सीमा शर्मा, शोभा यात्रा, मुख्युज्ञ शर्मा, काजल प्रधान, हेमंत दास, शिवपूजन पाठक, सर्वमणि सिंह, अविनेश कुमार सिंह, योगेंद्र प्रताप सिंह, राहुल अवस्थी, आरंती कुजूर, सीमा शर्मा, शोभा यात्रा, मुख्युज्ञ शर्मा, काजल खान, रविनाथ किशोर, गुरुविंदर सेठी, राकेश भास्कर, रमाकृष्ण महतो, लक्ष्मी कुमारी आदि थे।

कांग्रेस सहित सभी दलों पर भारी पड़ी प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी

सियाराम पांडियांशांत'

जीत भले ही किसी राजनीतिक दल की हो लेकिन उस जीत का आधार जनता का उस पर अटट विश्वास नहीं होता है। जब किसी नेता की गारंटी राजनीतिक मुद्दों और प्रलोभनों पर भारी पड़ जाए तो समझना चाहिए कि भारत में लोकतंत्र बिल्कुल सही दिशा में जा रहा है। चार राज्यों के चुनाव परिणाम बेहद विस्पवकारी रहे हैं। भाजपा ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ जहां कांग्रेस के हाथ से छीनी अपनी मुद्दों के लिया है, वही मध्य प्रदेश की सत्ता पर काविंग होने की कांग्रेस की हर संभव कोशिशों के पलीता लगा दिया है। तेलंगाना की जीत पर खुश होने का कांग्रेस के पास एक अवसर है और वह यह कह सकती है कि उसने तेलंगाना में भाजपा ने पटखनी दी है लेकिन सच्चता यह है कि भाजपा तो अपनी दक्षिण के इस राज्य में अपना जनाधार ही बढ़ा रही है। उसकी सीटों में कई आठ गुना बढ़ि वह बताने के लिए काफी है कि भाजपा ने तेलंगाना में बीआरएस की हार की पीछे केसीआर और उसके परिवार पर भाजपा के शीर्ष नेताओं के तल्ख हमले भी बहुत हड्ड तक जिम्मेदार हैं। तेलंगाना की सत्ता उसके स्वतंत्र राज्य के गठन के वर्ष 2014 से ही के चंद्रशेखर राव के



नहीं आई। इन तीनों ही राज्यों में नेताओं ने नेप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया और यह समझने में जो रासी भी गलती नहीं कि जब केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार बनाए तो यह कांग्रेस के पहिया सरपट दोड़ पाता है। केंद्र और राज्य की सत्ता पर आरुद्ध दो राजनीतिक दलों जैसी छह गारंटियाँ भी दीं, जिसमें सुफत महिल बस पाय, 200 यूनिट सुफत बिल्डिंग, किसानों और बटाईदारों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ देने जैसे बादे भी शामिल थे।

जन देश इस बात का प्रमाण है कि नेताओं ने कांग्रेस के परिवार पर भाजपा के शीर्ष नेताओं के तल्ख हमले भी बहुत हड्ड तक जिम्मेदार हैं। तेलंगाना की सत्ता उसके स्वतंत्र राज्य के गठन के वर्ष 2014 से ही के चंद्रशेखर राव के

कमलनाथ ने अखिलेश-विख्लेश पार्टी की नौका पर ही सवार होना अखिलेश यादव के क्रोध का पास बढ़ा दिया बल्कि अखिलेश यादव को मध्य प्रदेश की 74 सीटों पर अपने उम्मीदवार उत्तरारे को भी विवश किया।

यह स्थिति भी कांग्रेस की उम्मीदों की राह का बड़ा रोड़ा बनी। ईडिया गठबंधन में अपनी विकास का जनाजा अक्सर उत्तरारे के विशेषा बताने-जताने के राहुल गांधी के सपनों पर भी पानी फिर गया है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का अपना कांड आधार नहीं है और यहां लोकसभा की चुनावी वैतरणी पर यथावत का गठन के वर्ष 2014 से ही के चंद्रशेखर राव के

कांग्रेस को कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की अंदरूनी कलह से भी बड़ा नुकसान हुआ है। ज्ञातिरादिव सिंधिया के प्रति नेताओं नेताओं के स्तर पर बोले गए अपशब्दों में भी मध्य प्रदेश में खालीचार चंद्रल परिष्कृत के लिए में थी। इन नतीजों से कांग्रेस के लोग ही विचलित होंगे, ऐसा नहीं छोड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपशब्दों का प्रयोग भी कदाचित मतदाताओं को रास नहीं आया। राजस्थान में भी सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच की राजनीतिक छत्तीसगढ़ जहां कांग्रेस का पास बढ़ा करने में मील का पथर साचित हुई। सचिन पायलट को तो कुछ वर्ष पहले कांग्रेस ने थाम जरूर लिया लेकिन दोनों नेताओं और उनके समर्थकों के मोर्मालियां को दूर करने की दिशा में कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी उनकी विद्वानी और बगावत को तो कुछ वर्ष पहले कांग्रेस ने थाम जरूर लिया। कांग्रेस का राज बदल गया लेकिन राजस्थान की हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज यथावत का तो कुछ वर्ष पहले नेतृत्व क्षेत्र नहीं कर सका। कांग्रेस का इस बदलने का पथर साचित होना ही जाएगे। कांग्रेस और सपा की शीर्ष नेतृत्व भी उनकी विद्वानी पर खेलने लगा था। जिसकी जितनी आबादी, उन्हीं उसकी भागीदारी का राग देश के हर उस राज्य में आलापा जाने लगा था जहां गैर भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने प्रतिद्वंद्वियों की तमाम कांशिशों को न केवल परीता लगाया बल्कि दलित, आदिवासी मतों के भारोंसे मध्य प्रदेश में भाजपा ने अपने प्रतिद्वंद्वियों की तमाम कांशिशों को न लिया। यह लोगों में राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान नहीं चल पाई। लोगों ने विकास को तरजीह दी। यह भी उत्तरारे की पराजय का एक बड़ा जीत रहा। पेपर लोग मामले में विधानसभा चुनाव में आदिवासी वर्ग भाजपा अनुसूचित जाति के लिए स्थिति 35 सीटों में से 18 पर तो जीत गई थी, लेकिन अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित 10 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों में से महज 16 पर जीत हासिल कर सकी थी। छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जित के लिए सुरक्षित 10 सीटों में केवल 2 और अनुसूचित 34 सीटों में से महज 3 पर ही जीत हासिल कर पाई थी। वर्ष 2018 का चुनाव गवाह है कि राजस्थान में भी भाजपा एससी के लिए सुरक्षित 34 सीटों में 14 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से महज 3 पर ही जीत हासिल कर पाई थी। वर्ष 2018 का चुनाव गवाह है कि राजस्थान में आदिवासी एससी के लिए सुरक्षित 34 सीटों में 14 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग ही जीत हासिल कर पाई थी। वर्ष 2018 का चुनाव गवाह है कि राजस्थान में आदिवासी एससी के लिए सुरक्षित 10 सीटों में 2 और अनुसूचित 47 सीटों में 16 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग होगे कि वे पिछले 35 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों के लिए 16 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग होगे कि वे पिछले 35 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों के लिए 16 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग होगे कि वे पिछले 35 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों के लिए 16 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग होगे कि वे पिछले 35 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों के लिए 16 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग होगे कि वे पिछले 35 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों के लिए 16 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग होगे कि वे पिछले 35 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों के लिए 16 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग होगे कि वे पिछले 35 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों के लिए 16 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग होगे कि वे पिछले 35 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों के लिए 16 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग होगे कि वे पिछले 35 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों के लिए 16 पर उसे प्रायोग का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की वह भी प्रमुख बजह रही। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने कांग्रेस के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 22 सीटें हासिल की थी। जीत हासिल करने के लिए लोग होगे कि वे पिछले 35 सीटों के लिए 2 और अनुसूचित 47 सीटों के लिए 16 पर उसे प्रायोग का सामना क

टी-20 में दक्षिण अफ्रीका से आज होगी पहली भिड़ंत

एजेंसी

नवी दिल्ली। युवा भारतीय टीम जब रविवार को बहां शुरू हो रही तो तीन मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मॉकाबोले में मजबूत दक्षिण अफ्रीका के सामने होगी तो उसकी कोशिश उन मुश्किल सवालों के जवाब ढूँढ़न की होगी जिससे उसे रुबरु होना होगा। चोटिल कपान हाइटिंग पंद्या इंडिया प्रीमियर लीग (आईपीएल) सुरु होने वाले बाहर हैं और मुख्य तेज़ी गेंदबाज जयसी बुमराह बैठक पर हैं। इसके अलावा जून में होने वाले विश्व कप से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा के टी20 भविष्य को लेकर स्पष्टता नहीं है तो कोई भी दक्षिण अफ्रीका में टीम की सफलता या विफलता के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह पायेगा।

टी20 विश्व कप के लिए भारत की कोर टीम के एक लेकर स्थिति आईपीएल के एक महीने बाद ही स्पष्ट हो पायेगी क्योंकि उस समय खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस चयन का मानदण्ड रहेगा। अगर रोहित और विराट को अंतम



एकादश में चुना जाता है तो दक्षिण अफ्रीका का दौरा कर रही टीम अंतर्राष्ट्रीय टी20 श्रृंखला होगी। सुर्कुमर यादव की अगुआई में टीम ने घेरू में मैदान पर आसेलिया को 4-1 से मात दी और एक सामान्य भारतीय खेल प्रेमी भी इस बात से सहमत होगा कि विश्व कप के 72 घंटों के भीतर हुई श्रृंखला में ज्यादा कुछ दाव पर नहीं लगा था। आसेलिया ने कोर गेंदबाजी को आराम दिया गया है जबकि एनरिक नोर्किर्या और लुंगो एसिडी चोटिल हैं लेकिन टीम अपने मैदान पर काफी मजबूत होगी। भारत टी20 श्रृंखला के लिए 17 खिलाड़ियों को ले जा रहा है और इनमें से केवल तीन तीन वेयरस अच्युत, मुकेश कुमार और ईशान 50 ओवर प्रारूप का भी हिस्सा हैं। लेकिन टीम के सामने कई मुश्किल मुद्दे होंगे जिसमें सलामी बल्लेबाज को अंतर्मित और तीसरे नंबर के बल्लेबाज को पिछले टी20 विश्व कप में भारत के

भारतीय टीम सुर्कुमर यादव (कपान), यशस्वी जयवाल, शृंखला गिल, रुतुराज गायकवाल, तिलक वर्मा, रित्युषि सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (पिंकटीपीप), जितेश शर्मा (पिंकटीपीप), रवेंद्र जडेजा (उप कपान), विश्वानन सुदर्श, रवि विश्वास, कुरुदीप यादव, अर्पणीप सिंह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, दीपक वार्ध, एडिल फेलुकवायी, बर्वरज शर्मी, दिस्ट्रिन स्टैब्स और लिंगड विलियम्स।

एन एंबर पर बल्लेबाजी केरेंगे। अंगरेजी के शोर चार में जगह नहीं मिलती है तो जितेश छठे नंबर के लिए विकल्प हैं। रुतुराज, जयवाल, श्रेयस वाला को अंतर्मित उड़ान अलग तरह की चुनौती पेश करेगा।

आसेलिया ने ज्यादातर मैचों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को चुनौती दी लीकेन दक्षिण अफ्रीका में लिथ का महव तेज़ाना हो जायेगा।

दक्षिण अफ्रीका टीम के मोर्टन गिल अंतर्मित उड़ान अलग तरह की चुनौती पेश करेगा।

एन मार्कारम (कपान), ओटीनील बाटिन, मैथ्यू ब्रीटज़रक, नादे वार, जेराल कोर्टल (पहली), जोनसेन (उप कपान), विश्वानन सुदर्श, रवि विश्वास, मार्कोंज जेनसेन (पहला अंतर्राष्ट्रीय), हेनरिक वलासेन, केशव महाराज, दीपक वर्ध, एडिल फेलुकवायी, बर्वरज शर्मी, दिस्ट्रिन स्टैब्स और लिंगड विलियम्स।

एन एंबर पर बल्लेबाजी केरेंगे। अंगरेजी के शोर चार में जगह नहीं मिलती है तो जितेश छठे नंबर के लिए विकल्प हैं। रुतुराज, जयवाल, श्रेयस वाला को अंतर्मित उड़ान अलग तरह की चुनौती पेश करेगा।

आसेलिया ने ज्यादातर मैचों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को चुनौती दी लीकेन दक्षिण अफ्रीका में लिथ का महव तेज़ाना हो जायेगा।

दक्षिण अफ्रीका टीम में विंटन

सुर्कुमर यादव (कपान), ओटीनील बाटिन, मैथ्यू ब्रीटज़रक, नादे वार, जेराल कोर्टल (पहली), जोनसेन (उप कपान), विश्वानन सुदर्श, रवि विश्वास, मार्कोंज जेनसेन (पहला अंतर्राष्ट्रीय), हेनरिक वलासेन, केशव महाराज, दीपक वर्ध, एडिल फेलुकवायी, बर्वरज शर्मी, दिस्ट्रिन स्टैब्स और लिंगड विलियम्स।

एन एंबर पर बल्लेबाजी केरेंगे। अंगरेजी के शोर चार में जगह नहीं मिलती है तो जितेश छठे नंबर के लिए विकल्प हैं। रुतुराज, जयवाल, श्रेयस वाला को अंतर्मित उड़ान अलग तरह की चुनौती पेश करेगा।

आसेलिया ने ज्यादातर मैचों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को चुनौती दी लीकेन दक्षिण अफ्रीका में लिथ का महव तेज़ाना हो जायेगा।

दक्षिण अफ्रीका टीम में विंटन

सुर्कुमर यादव (कपान), ओटीनील बाटिन, मैथ्यू ब्रीटज़रक, नादे वार, जेराल कोर्टल (पहली), जोनसेन (उप कपान), विश्वानन सुदर्श, रवि विश्वास, मार्कोंज जेनसेन (पहला अंतर्राष्ट्रीय), हेनरिक वलासेन, केशव महाराज, दीपक वर्ध, एडिल फेलुकवायी, बर्वरज शर्मी, दिस्ट्रिन स्टैब्स और लिंगड विलियम्स।

एन एंबर पर बल्लेबाजी केरेंगे। अंगरेजी के शोर चार में जगह नहीं मिलती है तो जितेश छठे नंबर के लिए विकल्प हैं। रुतुराज, जयवाल, श्रेयस वाला को अंतर्मित उड़ान अलग तरह की चुनौती पेश करेगा।

आसेलिया ने ज्यादातर मैचों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को चुनौती दी लीकेन दक्षिण अफ्रीका में लिथ का महव तेज़ाना हो जायेगा।

दक्षिण अफ्रीका टीम में विंटन

सुर्कुमर यादव (कपान), ओटीनील बाटिन, मैथ्यू ब्रीटज़रक, नादे वार, जेराल कोर्टल (पहली), जोनसेन (उप कपान), विश्वानन सुदर्श, रवि विश्वास, मार्कोंज जेनसेन (पहला अंतर्राष्ट्रीय), हेनरिक वलासेन, केशव महाराज, दीपक वर्ध, एडिल फेलुकवायी, बर्वरज शर्मी, दिस्ट्रिन स्टैब्स और लिंगड विलियम्स।

एन एंबर पर बल्लेबाजी केरेंगे। अंगरेजी के शोर चार में जगह नहीं मिलती है तो जितेश छठे नंबर के लिए विकल्प हैं। रुतुराज, जयवाल, श्रेयस वाला को अंतर्मित उड़ान अलग तरह की चुनौती पेश करेगा।

आसेलिया ने ज्यादातर मैचों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को चुनौती दी लीकेन दक्षिण अफ्रीका में लिथ का महव तेज़ाना हो जायेगा।

दक्षिण अफ्रीका टीम में विंटन

सुर्कुमर यादव (कपान), ओटीनील बाटिन, मैथ्यू ब्रीटज़रक, नादे वार, जेराल कोर्टल (पहली), जोनसेन (उप कपान), विश्वानन सुदर्श, रवि विश्वास, मार्कोंज जेनसेन (पहला अंतर्राष्ट्रीय), हेनरिक वलासेन, केशव महाराज, दीपक वर्ध, एडिल फेलुकवायी, बर्वरज शर्मी, दिस्ट्रिन स्टैब्स और लिंगड विलियम्स।

एन एंबर पर बल्लेबाजी केरेंगे। अंगरेजी के शोर चार में जगह नहीं मिलती है तो जितेश छठे नंबर के लिए विकल्प हैं। रुतुराज, जयवाल, श्रेयस वाला को अंतर्मित उड़ान अलग तरह की चुनौती पेश करेगा।

आसेलिया ने ज्यादातर मैचों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को चुनौती दी लीकेन दक्षिण अफ्रीका में लिथ का महव तेज़ाना हो जायेगा।

दक्षिण अफ्रीका टीम में विंटन

सुर्कुमर यादव (कपान), ओटीनील बाटिन, मैथ्यू ब्रीटज़रक, नादे वार, जेराल कोर्टल (पहली), जोनसेन (उप कपान), विश्वानन सुदर्श, रवि विश्वास, मार्कोंज जेनसेन (पहला अंतर्राष्ट्रीय), हेनरिक वलासेन, केशव महाराज, दीपक वर्ध, एडिल फेलुकवायी, बर्वरज शर्मी, दिस्ट्रिन स्टैब्स और लिंगड विलियम्स।

एन एंबर पर बल्लेबाजी केरेंगे। अंगरेजी के शोर चार में जगह नहीं मिलती है तो जितेश छठे नंबर के लिए विकल्प हैं। रुतुराज, जयवाल, श्रेयस वाला को अंतर्मित उड़ान अलग तरह की चुनौती पेश करेगा।

आसेलिया ने ज्यादातर मैचों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को चुनौती दी लीकेन दक्षिण अफ्रीका में लिथ का महव तेज़ाना हो जायेगा।

दक्षिण अफ्रीका टीम में विंटन

सुर्कुमर यादव (कपान), ओटीनील बाटिन, मैथ्यू ब्रीटज़रक, नादे वार, जेराल कोर्टल (पहली), जोनसेन (उप कपान), विश्वानन सुदर्श, रवि विश्वास, मार्कोंज जेनसेन (पहला अंतर्राष्ट्रीय), हेनरिक वलासेन, केशव महाराज, दीपक वर्ध, एडिल फेलुकवायी, बर्वरज शर्मी, दिस्ट्रिन स्टैब्स और लिंगड विलियम्स।

एन एंबर पर बल्लेबाजी केरेंगे। अंगरेजी के शोर चार में जगह नहीं मिलती है तो जितेश छठे नंबर के लिए विकल्प हैं। रुतुराज, जयवाल, श्रेयस वाला को अंतर्मित उड़ान अलग तरह की चुनौती पेश करेगा।

आसेलिया ने ज्यादातर मैचों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को चुनौती दी लीकेन दक्षिण अफ्रीका में लिथ का महव तेज़ाना हो जायेगा।

दक्षिण अफ्रीका टीम में विंटन

सुर्कुमर यादव (कपान), ओटीनील बाटिन, मैथ्यू ब्रीटज़रक, नादे वार, जेराल क

